विचार बिन्दु

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, सबसे आगे सोचो, विचारों पर किसी का भी एकाधिकार नहीं है। –धीरूभाई अंबानी

बदलता भारत : कुछ छवियां जिन पर गर्व होता है!

हाल में मेरे कुछ परिवार जन पंद्रह-बीस दिन की अमरीका यात्रा करके लौटे हैं। वहां से भारत लौटने पर उनकी पहली प्रतिक्रिया यह है कि डिजिटल वॉलेट के उपयोग के मामले में भारत ने एक चमत्कार कर दिखाया है, और इस मामले में अमरीका हमसे बहुत पीछे है। इतना ही नहीं, वहां रहते हुए उन्हें भारत की डिलीवरी सेवाओं और ई कॉमर्स सुविधाओं की भी बहुत याद आई। अगर उनके अनुभव को सच मानें, और न मानने की कोई वजह भी नहीं है, तो बहुत सारे मामलों में हम दुनिया के उन्नत देशों को पीछे छोड चुके हैं। इस अनुभूति से हममें से हरेक का गर्वित होना स्वाभाविक है। असल में होता यह है कि हम रोज़मर्रा की बातों-चीज़ों के इतने अभ्यस्त हो चुकते हैं कि हमारा ध्यान उनकी महत्ता की तरफ जाता ही नहीं है।

हाल में भारत सरकार ने सिंगापुर सरकार के साथ जो समझौता किया है उसकी वजह से हम सबका ध्यान एक बार फिर इस बात की तरफ गया है कि अब भारत में अमरीका और यूरोप से ग्यारह गुना और चीन से चार गुना ज़्यादा डिजिटल भुगतान हो रहा है। यह प्रगति बहुत थोड़े समय में हुई है। भारत सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक और भारतीय बैंकों के सहयोग से भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा विकसित यूपीआई (यूनिफ़ाइडपेमेण्ट्सइण्टरफ़ेस) को 2016 में लॉंच किया था। तब इसकी शुरुआत केवल 21 बैंकों से की गई थी और आज इसमें 381 बैंक शामिल हैं। भारत सरकार द्वारा ज़ारी आंकड़ों के अनुसार सन 2022 के अंत तक डिजिटल वॉलेट का कुल लेन-देन लगभग 126 लाख करोड़ रुपयों का था और पिछले साल हर सेकण्ड में 2,348 लोगों ने डिजिटल वॉलेट का प्रयोग किया था। अब भारत में अनेक डिजिटल वॉलेट उपलब्ध हैं जिनमें पेटीएम, फोनपे, गूगलपे, अमेज़ॉन प्रमुख हैं। इनसे हमारा, आम नागरिकों का और विशेष रूप से छोटे व्यापार करने वालों का, जीवन बहुत सुगम हो रहा है। एक नागरिक के रूप में जहां हम बिना नकद राशि जेब में रखे, केवल अपने स्मार्ट फोन के माध्यम से अपनी रोज़मर्रा की खरीददारी आसानी से कर लेते हैं वहीं छोटे-बड़े सभी तरह के व्यापारी इनके माध्यम से अपने लेन-देन को सुगम बना कर अधिक व्यापार कर पा रहे हैं। ऑटो चालक, फूल बेचने वाले, सब्ज़ी बेचने वाले, दिहाड़ी मज़दूर, चाय की थड़ी चलाने वाले, प्लम्बर, इलेक्ट्रीशियन, और इन जैसे न जाने कितनी तरह के काम करने वाले लोग बहुत सुगमता और आत्म विश्वास से जब डिजिटल वॉलेट से भुगतान स्वीकार करने की बात करते हैं तो हमें एक नया भारत उभरता हुआ नज़र आता है। भारत जैसे देश में बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड का उपयोग हरेक के वश की बात नहीं है। आसानी से समझा जा सकता है कि जहां बैंक में खाता खोलने के लिए जटिल कागज़ी कार्यवाही की ज़रूरत होती है और फिर न्यूनतम राशि रखने की मज़बूरी होती है, क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने की एक लम्बी प्रक्रिया होती है, डिजिटल वॉलेट इनके बग़ैर वे सारी सुविधाएं प्रदान कर देते हैं जो बैंकिग से किसी को उसका व्यवसाय चलाने के लिए मिलती है या मिल सकती है।

वैसे ऐसा भी नहीं है कि डिजिटल वॉलेट का यह कारोबार दोष और आशंकाओं से एकदम रहित है। जानकारों का कहना है कि बग़ैर केवायसी (KYC) के इस तरह की सुविधा का सुलभ होना कई तरह की आशंकाओं को हवा देता है। ये आशंकाए इस कारण और गहरा जाती हैं कि हमारे यहां डिजिटल साक्षरता तो बहुत दूर की चीज़ है, सामान्य साक्षरता भी अभी पूरी तरह अर्जित नहीं हो पाई है। ऐसे में इस सुविधा के दुरुपयोग की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। दूसरी आशंका जो जानकार लोग व्यक्त करते हैं वह है डेटा के अवैध कारोबार की। बग़ैर नियंत्रण वाली कंपनियों के हाथ में हमारा निजी डेटा कितना असुरक्षित है, इस बात को कोई नहीं जानता है। समय-समय पर इन कंपनियों से हमारा डेटी लीक हो जाने जो ख़बरें आती रहती हैं वे हमारी आशंकाओं को बहुत बढ़ाती हैं। उम्मीद है कि आशंकाओं के निवारण की तरफ समुचित ध्यान दिया जाएगा।

हाल में भारत सरकार ने सिंगापुर सरकार के साथ जो समझौता किया है उसकी वजह से हम सबका ध्यान एक बार फिर इस बात की तरफ गया है कि अब भारत में अमरीका और यूरोप से ग्यारह गुना और चीन से चार गुना ज़्यादा डिजिटल भुगतान हो रहा है। यह प्रगति बहुत थोड़े समय में हुई है।

पिछले कुछ समय में जो एक और बहुत बड़ा बदलाव आया है वह यह है कि हमारे यहां और ख़ास तौर पर बड़े और मझले शहरों-कस्बों में डिलीवरी सेवाओं का बहुत तेज़ी से विस्तार हुआ है। आप किसी भी लोकप्रिय रेस्तरां के बाहर खड़े हो जाएं, वहां स्विगी और जोमेटो जैसी सेवाओं के अनगिनत कार्मिक अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए नज़र आएंगे। और अब तो ये सेवाएं आपके घर तक आपके मन पसंद व्यंजन पहुंचाने तक ही सीमित नहीं रही हैं, इनके माध्यम से साग सब्ज़ी, फल, किराने का सामान और न जाने क्या-क्या आपके घर तक पहुंचने लगा है। इन सेवाओं के कारण जहां बहुत व्यस्त रहने वालों का, शहरों के बढ़ते जा रहे ट्रैफ़िक से त्रस्त लोगों का, वृद्धत्व और बीमारी जैसे विभिन्न कारणों से घर से बाहर न निकल सकने वालों का जीवन सुगम हुआ है, अनगिनत लोगों को रोज़गार के अवसर भी सुलभ हुए हैं। सरकारी नीतियों में आए बदलावों के कारण सरकारी नौकरियां तो वैसे ही दिन ब दिन घटती जा रही हैं, ऐसे में इस तरह से रोज़गार के अवसरों का बढ़ना स्वागत योग्य है। कहने की ज़रूरत नहीं है कि ग्राहक को मिलने वाली सुविधाओं में विस्तार की वजह से व्यापारियों का भी लाभ बढ़ा है।

एक और बदलाव जो हाल के वर्षों में हमारे यहां हुआ है वह है ई-कॉमर्स कंपनियों का बहुत तेज़ विस्तार। कुछ बरस पहले हम केटेलॉग देखकर सामान मंगवाने से हिचकिचाते थे लेकिन अब यह हमारी रोज़मर्रा की आदतों में शुमार हो गया है। अमेज़ॉन, फ्लिपकार्ट और ऐसी अनगिनत कंपनियां हैं जो बहुत दक्षता से हमारी ज़रूरत का सामान हम तक पहुंचाती हैं। विभिन्न कारणों से घर से बाहर न निकल सकने वालों के लिए यह सुविधा एक बड़ा वरदान है। आपको घर बैठे अपनी ज़रूरत का सामान मिल जाता है, इससे बेहतर बात और क्या हो सकती है? आप अपने स्थानीय परिवहन पर जो धन और समय खर्च करते उसकी भी बचत होती है। लेकिन इस सुविधा ने पारंपरिक व्यापारियों को चिंतित भी किया है। वे समय समय पर इनके खिलाफ़ आवाज़ भी उठाते रहते हैं। इनके कारण उनके व्यापार पर प्रतिकूल असर भी पड़ा है। यहां बात केवल सुविधा की ही नहीं है। ई कॉमर्स कंपनियां अपनी ताकत और क्षमता के कारण छोटे दुकानदारों पर भारी पड़ रही हैं। उनकी कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं और वे ग्राहक को बेहतर सुविधाएं दे पाती हैं। आपको कोई चीज़ पसंद नहीं आई तो आप ई कॉमर्स कंपनी को बहुत आसानी से लौटा देते हैं, सामान्यत: तो ई कॉमर्स कंपनियां आपका अनुरोध पाने पर खुद अपने स्तर पर सामान आपके घर से ले जाती हैं। आपको लौटाने जाने का कष्ट भी नहीं करना पड़ता है। ये कंपनियां बिना किसी किंतु-परंतु के आपकी चुकाई गई राशि आपको लौटा देती हैं। पारंपरिक व्यापारी ऐसा करने में आनाकानी करता है। उसकी भी अपनी दिक्कतें हैं। और कुछ बात मानसिकता की भी है। हमारे पारंपरिक व्यापारियों का एक वर्ग अभी भी इस बात को नहीं समझ पा रहा है कि उसे ग्राहक को अपने से जोड़े रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। ऐसे में उसका ग्राहक अगर उससे दूर जा रहा है तो ख़ुद उसे भी आत्मावलोकन करना चहिए। मैं देखता हूं कि आम तौर पर दुकानदार का रवैया ग्राहक के प्रति सम्मानजनक नहीं होता है। वह उसकी शिकायत सुनना ही नहीं चाहता, उसे दूर करना तो बाद की बात है। दुकानदारों का यह वर्ग दीवार पर लिखी इबारत को अनदेखा करके ख़ुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी माररहा है। दूसरी तरफ ई कॉमर्स कंपनियों ने बहुत सारे उत्साही उद्यमियों को व्यापार करने और अपनी आर्थिक हैसियत सुधारने के अनगिनत अवसर प्रदान किए हैं। बहुत सारे हाथ के कारीगर इन माध्यमों पर बहुत सफलता से अपने उत्पाद बेच कर अपना जीवन आलोकित कर रहे हैं। ये माध्यम बग़ैर बड़ी पूंजी के भी, अगर आपके उत्पाद में दम हो और आपके पास उसे बेचने का कौशल हो तो, आपको सफलता की गारण्टी प्रदान कर रहे हैं। यह बहुत बड़ी बात है। इनके कारण एक छोटा ही सही, उद्यमी वर्ग बहुत तेज़ी से फल-फूल रहा है। इन ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के कारण एक बात और हो रही है, जिसकी तरफ ध्यान आकर्षित करना मुझे ज़रूरी लग रहा है। हम पढ़ने-लिखने वालों की यह पुरानी शिकायत है कि शहरों में किताबों की दुकानें नहीं के बराबर हैं। ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स हमारी इस ज़रूरत को बखूबी पूरा कर रहे हैं। आज किताबें खरीदना बहुत सुगम हो गया है, भले ही ऐसा करने में पारंपरिक दुकान में किताब को हाथ में लेकर उलटने पलटने से मिलने वाला सुख नहीं मिलता है लेकिन किताबें मिल जाती हैं, यह बहुत बड़ी बात है।

तो ये कुछ चीज़ें हैं जो हम आज के नए भारत में देखते हैं और आह्लादित गर्वित अनुभव करते हैं।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

108 कुंडीय सीताराम महायज्ञ में डेढ़ लाख श्रद्धालुओं ने पाई पंगत प्रसादी

शाहपुरा, (निसं)। जयपुर के पास शाहपुरा के निकट खोरी ग्राम स्थित परमानंद धाम मंदिर में में चल रहे 108 कुंडीय सीताराम महायज्ञ में रविवार को दर्शनों के लिए करीब डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु उमड़े। पीसीसी सदस्य मनीष यादव ने बताया कि सोमवार सुबह 10 बजे पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी महायज्ञ में दर्शनों के लिए पधारेंगे।

- **महायज्ञ के आचार्य अम्बिकेश शर्मा ने अपनी माताजी के नाम से 21हजार रुपए महायज्ञ में भेंट किये**
- **नानी बाई को मायरा की कथा हुई प्रारंभ**
- **आज आएंगे पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट**

शाहपुरा के निकट खोरी ग्राम स्थित परमानंद धाम मंदिर में में चल रहे 108 कुंडीय सीताराम महायज्ञ में भक्तों ने आहुतियां दी।

महंत हरिओमदासजी महाराज ने बताया कि यज्ञाचार्य पंडित अंबिकेश शर्मा ने अपनी माताजी स्व.दुर्गा देवी के नाम से 21000 रुपए महायज्ञ में भेंट किये। उप आचार्य पंडित पवन टीलावत, यज्ञ ब्रह्मा पंडित पवन मिश्र, वैदिक रमाकांत टीलावत, वेदप्रकाश शर्मा विशाल शर्मा त्रिवेणी धाम के निर्देशन में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार से यजमानों को 79 लाख 96 हजार 925 आहुतियां दिलवाई। महायज्ञ में विधायक आलोक बेनीवाल, विराटनगर विधायक इन्द्रराज गुर्जर, पीसीसी सदस्य मनीष यादव, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, भुवनेश्वरी देवी, प्रधान मंजू शर्मा, चेयरमैन बंशीधर सैनी, प्रीति चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। त्रिवेणीधाम सत्संग मंडल शाहपुरा व खोरी, एकादशी मंडल जयपुर की ओर से रामनाम संकीर्तन किया गया।

रामेश्वर ताखर, सरपंच मेवा देवी बुनकर, गणपत गुर्जर, गंगा सहाय यादव, अमरचंद चौहान, अशोक कुमावत, धर्मपाल यादव महेश पारीक, विष्णु अग्रवाल, योगेश चुड़ला, विनोद गोयल सहित कई लोगों ने बताया कि महायज्ञ में सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक एक लाख श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। कथा पांडाल में संजय टीलावत व भामाशाह खेमचंद जोशी ने पूजा अर्चना करवाकर नानी बाई का मायरा कथा प्रारंभ करवाई। जोधपुर के रामप्रसाद महाराज ने मारवाड़ी भाषा में नानी बाई का मायरा की कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को नाचने पर मजबूर कर दिया।

लगेतखेड़ा में मादा पैंथर पिंजरे में कैद हुई

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के लगेतखेड़ा ग्राम पंचायत अंतर्गत रविवार को एक मादा पैंथर पिंजरे में कैद हो गई।

क्षेत्रीय वन अधिकारी जसराज पारीक ने बताया कि लगेतखेड़ा ग्रामीणों ने डेढ़ माह पूर्व आबादी क्षेत्र में पैंथर की हलचल दिखाई देने से भय का माहौल बना हुआ था। जिस पर वन विभाग की ओर से पिंजरा लगाया गया। शनिवार देर रात्रि मादा पैंथर पिंजरे में कैद हो गई।

रविवार को ग्रामीणों की सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी जसराज पारीक वनपाल राजेंद्र सिंह राणावत वनरक्षक चांदमल गुर्जर आदि की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से पिंजरे सहित करीब डेढ़ वर्षीय मादा पैंथर को पिकअप में सवार कर टॉडगढ़ रावली अभयारण्य रेंज काबरा दाता के वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ा गया।

लगेतखेड़ा ग्राम पंचायत में एक मादा पैंथर पिंजरे में कैद हो गई।

श्रीगंगानगर में मौसम के दो अलग-अलग रंग दिखे

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अलग-अलग इलाकों में रविवार को मौसम ने अलग-अलग रंग दिखाए। श्रीगंगानगर में पारा चालीस के पार रहा, वहीं जिले के जैतसर में बरसात से मौसम ठंडा हो गया। वहीं श्रीबिजयनगर में दोपहर बाद बादल छाए और हवा चली। इससे मौसम में बदलाव आ गया।

- **श्रीगंगानगर शहर में गर्मी ने छुड़ाए पसीने, जैतसर में मौसम में आये बदलाव से बरसे बादल**
- **श्रीबिजयनगर में दोपहर बाद तेज हवा चलने से मौसम में बदलाव आया**

शहर में रविवार दोपहर बाद तक लू के थपेड़े चलते रहे। इस दौरान सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया। शहर में निकले लोग सिर पर साफे और टोपी पहने नजर आए। आम आदमी ही नहीं पशु पक्षी भी गर्मी से परेशान दिखे। सड़कों के किनारे पशु पेड़ों की छांव में राहत पाने का प्रयास करते दिखे। वहीं टैंपों और रिक्शा चालक पसीने से तर बतर हुए सड़कों पर नजर आए। जहां एक ओर श्रीगंगानगर जिला मुख्यालय पर तेज धूप रही। वहीं जिले के जैतसर में दोपहर बाद तेज हवा चली। इसके बाद पहले हलकी और फिर तेज बरसात हुई। इससे तापमान में कुछ कमी आई है। सुबह दिन की शुरुआत में यहां भी तेज धूप थी। गर्मी से लोग परेशान थे। इसके बाद अचानक हवा चलने लगी। कुछ देर बाद ही बरसात से मौसम ठंडा हो गया। वहीं जिले के श्रीबिजयनगर में दोपहर बाद तेज हवा चलने से मौसम में बदलाव आया।

ताला के बुर्रहान बाबा के चार दिवसीय वार्षिक मेले में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल दिखी

मनोहरपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम ताला की ऊंची पहाड़ी पर स्थित हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बुरहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलेह का चार दिवसीय वार्षिक मेला रविवार को कूल रस्म के साथ संपन्न हो गया।

सरपंच अमीर खान शेख, अनवर खान ने बताया कि 13 अप्रैल गुरुवार को झंडे की रस्म के साथ में मेला शुरू हुआ इसी के साथ रंग बिरंगे कपडो में सज संवरकर अपने अपने वाहनों में सवार होकर जायरिनो के जत्थे आना प्रारम्भ हुए थे। 14 अप्रेल शुक्रवार को डेढ़ बजे बाद में जायरीनों के द्वारा जुम्मे की नमाज अदा की थी, रात्रि 10 बजे मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ की गई इसके बाद में राजस्थान प्रदेश की मशहूर कव्वाल पार्टियों द्वारा सम्पूर्ण रात्रि तक बाबा की मान मनुहार की गई।

इसी प्रकार 15 अप्रेल को आसपास व दूरदराज के शहरी व ग्रामीण हिन्दू मुस्लिम नर नारी ऊंट गाड़ी ट्रेक्टर ट्रॉली जीप दुपहिया आदि वाहनों से आए। मेले में कुम्हारों से मिट्टी के बर्तन घड़े करी आदि खरीदकर उसमें चावल व दाल की किंदूरी बनाए। रात्रि 10 बजे मिलादुन्नबी कमेटी द्वारा मिलाद शरीफ की गई इसके बाद में भारत देश की मशहूर कव्वाल पार्टियों द्वारा सम्पूर्ण रात्रि तक बाबा की मान मनुहार की गई। इसी प्रकार 16 अप्रेल रविवार को सुबह 9 बजे जायरीनों द्वारा चूरमा दाल बाटी पर बाबा की फ़ातेहा लगाई इसके बाद में राजस्थान के प्रसिद्ध कव्वाल पार्टियों द्वारा सामूहिक कव्वाली करके कूल की रस्म की अदायगी की इसी के साथ मे शहरी मेला सम्पन्न हो हुआ। इसी के साथ मे पैदल आने वाले हिन्दू जायरीनों द्वारा झंडे चढ़ाए इधर ग्राम तालावासियो की ओर से फूल बरसाए गए

मेले का आकर्षण का केंद्र : मेले में मौत का कुआ, सर्कस, छोटे झूले बड़े झूले, डॉलर झूले, चक्कर झूले आदि झूले लगें थे जिसमें महिला व पुरुषों ने झूलों का आनन्द लिया व घरेलू सामान की दुकानो से ग्रामीणों द्वारा साल भर के सामान की एक साथ ख़रीददारी की।

पप्पू खान शेख ने बताया कि 16 कव्वाल पार्टियां आई थी इसमे हाजी टिम्मू गुलफाम एन्ड कव्वाल पार्टी, मोइन अजमेरी, मुन्ना अजमेरी, सईद साबरी, हमीद नईम अजमेरी, हमीद साबरी, दरगाह कव्वाल पार्टी, नईम शमीम आदि ने बाबा की मान मनुहार की। मेले में पत्रकारों को भी दस्तार बन्दी करके सम्मानित किया गया। मेले में गणमान्य लोगों ने शिरकत की। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजीव पचार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेले में शिरकत करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी प्रकार जमवारामगढ़ के विधायक व प्रधान ने भी बाबा के चद्दर पेश करके अमन चेन की दुआएं मांगी। इन सबकी हाजी राजत अली ने दस्तारबंदी की।

- **ताला के बुर्रहान बाबा का 4 दिवसीय वार्षिक मेला कुल की रस्म के साथ सम्पन्न हुआ**
- **रविवार को जायरीनों द्वारा चूरमा दाल बाटी पर बाबा की फ़ातेहा लगाई, पार्टियों द्वारा सामूहिक कव्वाली का आयोजन**

निकटवर्ती ग्राम ताला की ऊंची पहाड़ी पर स्थित मस्जीद पर रोशनी की गई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 17 अप्रैल, 2023

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 2:27 तक, ब्रह्म योग रात्रि 9:06 तक, तैतिल करण दिन 3:46 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 8:51 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मेष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सोम प्रदोश व्रत, पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:41 तक, शुभ 9:16 से 10:52 तक, चर 2:03 से 3:39 तक, लाभ-अमृत 3:39 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:48

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्य योजना बनेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। कानूनी मामलों से राहत मिल सकती है।

वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।